उदयपुर की लाइफ लाइन फतहसागर झील के इतिहास में पहली बार नवम्बर के महीने में चादर चली है। मावठ की बारिश के कारण झील छलक उठी है। पानी की आवक को देखते हुए बुधवार को सुबह इसके गेट खोले गए। छलकती हुई झील को देखने बड़ी तादाद में लोग फतहसागर पहुंचे।

नवम्बर में पहली बार फतहसागर झील पर चादर चली, चारों गेट खोले

इस साल डेढ़ माह के अंतराल में दूसरी बार फतहसागर छलका

- **सुबह 9.30 बजे जिला कलैक्टर की मौजूदगी में चारों गेट एक-एक इंच खोले गए।**
- **फतहसागर के छलकने से पर्यटन को मिली बूस्टर डोज़।**

उदयपुर, 24 नवम्बर (कासं)। लेकसिटी की लाइफलाइन मानी जाने वाली फतहसागर झील में पहली बार नवम्बर माह में चादर चली है। पहले गत 7 अक्टूबर को करीब 48 दिन पहले इस पर चादर चली और मावठ की बारिश से बुधवार सुबह इसमें हुई पानी की आवक को देखते हुए इसके गेट पुनः खोले गए। जिला कलैक्टर व सिंचाई विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में इसके चारों गेट एक-एक इंच खोले गए है। प्रतिदिन रात 9 बजे इसके गेट पुनः बंद कर दिए जाएंगे और रातभर में 13 फीट 4 इंच से ऊपर जलराशि की मात्रा को देखते हुए इसके गेट खोले जाएंगे।

जिला कलैक्टर चेतन देवडा ने बुधवार को फतहसागर झील के गेट खुलवाए। बुधवार सुबह 9:15 बजे एक-एक कर जैसे ही फतहसागर के चारों गेट खुले तो हर कोई इस नजारे को अपनी यादों में हमेशा के लिए कैद करता नजर आया। कलैक्टर देवडा ने इस अवसर पर कहा कि "मैं बहुत किस्मतवाला हूँ कि मुझे अपने कार्यकाल के डेढ़ साल में तीसरी बार फतहसागर के गेट खोलने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ है। यह निश्चित रूप से हम सब के लिए, उदयपुरवासियों के लिए बहुत खुशी का पल है।

उन्होंने कहा कि उदयपुर अपनी झीलों के लिए दुनियाभर में मशहूर है। यह पर्यटन नगरी है। जब फतहसागर भरता है तो उदयपुरवासियों में एक नई ऊर्जा, खुशी का संचार होता है। यह झील जब भरती है, तो उदयपुरवासियों की खुशियां परवान पर होती है। जिला कलैक्टर ने इससे पूर्व विधि विधान के साथ इससे पहले फतहसागर की पूजा-अर्चना की। इस दौरान राजसमंद जिला कलैक्टर अरविन्द पोसवाल, यूआईटी सचिव अरूण हसीजा, जल संसाधन विभाग से भुवन भास्कर- अतिरिक्त मुख्य अभियंता, ऋषभ कुमार जैन- अधीक्षण अभयंता, कैलाश जैन- अधिशासी अभियंता, जीवनराम मीणा- सहायक अभियंता एवं जगदीश डांगी-कनिष्ठ अभियंता मौजूद रहे।

करोनाकाल के बाद दीवाली के दौरान भी रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक उदयपुर आए थे। अब लेकसिटी सर्दियों की छुट्टियों और नए साल के जश्न के लिए पर्यटकों की मेजबानी के लिए तैयार है। ऐसे में फतहसागर के गेट खुलना पर्यटकों और शहरवासियों के लिए सौगात है। इधर, सीसारमा नदी 2 फीट 10 इंच की वेग से बह रही है ऐसे में पीछोला 2 इंच ओवरफ्लो है और स्वरूपसागर पर चादर चल रही है। चिकलवास हेड 1 फीट 10 इंच बह रही है इसका जल फतहसागर में आ रहा है और जब तक पानी की आवक रहेगी, फतहसागर पर चादर चलेगी।

जयश्री पेड़ीवाल इंटरनैशनल स्कूल की एक और छात्रा करोना संक्रमित मिली

स्कूलों में करोना संक्रमण के बढ़ते मामलों और मौजूदा हालात को लेकर शिक्षा विभाग ने रिपोर्ट तैयार की

- **इस रिपोर्ट पर सरकार के स्तर पर फैसला किया जाएगा।**
- **शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने शिक्षा संकुल में शिक्षा व चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की चर्चा की।**
- **प्रदेश में बुधवार को थोड़ी गिरावट के बाद 14 नए संक्रमित मिले हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 24 नवम्बर। राजधानी के शिक्षा संकुल में शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला की अध्यक्षता में स्कूलों में बढ़ते करोना संक्रमण के मामलों और मौजूदा हालात को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की गई। इस पर सरकार के स्तर पर फैसला लिया जाएगा। साथ ही ऑनलाइन क्लास को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की गई। वहीं इस बीच भांकरोटा इलाके में महापुरा स्थित जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल की एक और छात्रा करोना संक्रमित मिली है। फिलहाल उसका इलाज बोर्डिंग सेंटर में ही चल रहा है। इस बीच राज्य में थोड़ी गिरावट के बाद 14 नए रोगी मिले हैं, जबकि एक्टिव केस बढ़कर 141 हो गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को थोड़ी गिरावट के बाद करोना संक्रमण के 14 नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले मंगलवार को 23 रोगी पाए गए थे। आज जयपुर, अजमेर व उदयपुर में 3-3, अलवर में 2 तथा बीकानेर, जोधपुर और नागौर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। उधर राज्य के 26 जिलों में संक्रमण कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इनमें से 21 जिलों में अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में बुधवार को 9 रोगी ठीक हुए हैं। हालाकि नए संक्रमितों के मुकाबले में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 141 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 87 मामले जयपुर और अजमेर में 17 तथा अलवर में 12 केस मौजूद हैं। वहीं 9 जिले बारां, बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर कोटा, नागौर, पाली और उदयपुर में 10 से भी कम केस बचे हैं। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से कोई मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से 8955 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

जयपुर में आज फुलेरा, राजापार्क व टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित पाया गया है। वहीं इस बीच जयश्री स्कूल की एक और छात्रा करोना संक्रमित मिली है। जयपुर सीएमएचओ डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि इस स्कूल में मंगलवार को डे बोर्डिंग सेंटर में रहने वाले 13 बच्चे संक्रमित मिले थे। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने स्कूल पहुंचकर वहां रह रहे बच्चों और स्टॉफ सहित 43 लोगों के सैम्पल लिए थे। इनमें से बुधवार को एक छात्रा की रिपोर्ट पॉज़िटिव आई है। पॉज़िटिव छात्रा का इलाज बोर्डिंग सेंटर में ही चल रहा है, और वह एसिम्प्टोमैटिक है। स्कूल में अब तक 14 बच्चे करोना संक्रमित मिल चुके हैं। फिलहाल स्कूल को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है।

इधर दूसरी ओर स्कूलों मे करोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने बुधवार को शिक्षा संकुल में विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। डॉ. कल्ला ने कहा कि प्रदेश में फिर से संक्रमण बढ़ने लगा है। और इसकी चपेट में स्कूली छात्र भी आ रहे हैं। स्कूलों के मौजूदा हालातों को देखते हुए रिपोर्ट तैयार की गई। इस रिपोर्ट में स्कूलों में छात्रों की संख्या कम करने और अल्टरनेट डे बुलाने और ऑनलाइन क्लास का प्रस्ताव रखा गया। यह रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी। इसके बाद ही सरकार के स्तर पर ही इस पर फैसला लिया जाएगा। अभी तक निजी स्कूलों में ही करोना के मामले सामने आए हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों में बच्चों के संक्रमित न होना अच्छी बात है। उन्होंने अभिभावकों और स्कूल संचालकों से अपील करते हुए कहा कि करोना अभी पूरी तरह से गया नहीं है, ऐसे में सभी को भी सतर्क रहना है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा की निजी स्कूलों में कोविड वैक्सीन से लेकर अन्य सुरक्षा के बंदोबस्त किस तरह से किए जा रहे हैं और विभाग की ओर से इनकी क्या मॉनिटरिंग की जा रही है।

डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ममता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहायक ने एक ट्वीट में जोर देकर कहा है कि पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के कथित उत्पीड़न को लेकर तथ्यों की जानकारी एवं आंकलन के लिये, उन्होंने ममता के साथ मीटिंग की थी। तृणमूल के ट्विटर हैंडल ने भी ममता के साथ उनकी मीटिंग की पुष्टि कर दी है।

उनके उक्त सहायक ने कहा कि यद्यपि डॉ. स्वामी औपचारिक रुप से तृणमूल में शामिल नहीं हुये हैं, लेकिन वे ममता के पक्ष में तो जा ही चुके हैं। दरअसल, वे अपने राज्यसभा के कार्यकाल के बीच में अपनी पार्टी को छोड़कर अपनी राज्यसभा सीट के बीच में अपनी पार्टी को छोड़कर अपनी राज्यसभा सीट को खोना नहीं चाहते। वे अप्रैल 2016 में, राज्यसभा में नामित किये गये थे तथा तब वे भाजपा में शामिल हुये थे। उनका 6-वर्षीय कार्यकाल अप्रैल, 2022 में समाप्त होगा।

ममता के साथ हुई मीटिंग के बाद, एक ट्वीट में उनके द्वारा की गई ममता की प्रशंसा यह दर्शाती है कि वे कुल मिलाकर भाजपा छोड़ना चाहते हैं, जो उनकी कद्र नहीं कर रही है। अपनी ट्वीट में वे कहते हैः मैं जिन अनेक राजनेताओं से मिला हूँ या जिनके साथ मैंने काम किया है, उनमें से ममता, जे.पी., मोरारजी देसाई, राजीव गांधी, चन्द्रशेखर तथा पी.वी. नरसिम्हा राव जिनका मन्तव्य वही होता था, जो वे कहते थे और वे वही कहते थे, जो उनका मन्तव्य होता था, की श्रेणी की राजनेता हैं। भारतीय राजनीति में यह गुण दुर्लभ है।"

एक अन्य ट्वीट में, डॉ. स्वामी ने गृह मंत्री अमित शाह पर प्रहार करते हुये कहा है कि उन्हें पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के कत्लेआम की कोई चिन्ता ही नहीं है। "आश्चर्यजनक बात है कि ए.बी. तथा जी.बी. मुझे ट्वीट कर रहे हैं- बंगाल में हिन्दुओं की हत्या क्यों?" ए.बी. तथा जी.बी. को उनसे पूछना चाहिये क्योंकि वे ही उनके संरक्षक हैं?"

"ए.बी." उन "अंध भक्तों" के लिये प्रयुक्त हुआ है, जो बिना सोचे-समझे भाजपा या दक्षिण पंथ का समर्थन करते है तथा "जी.बी." "अंध-भक्तों" के लिये प्रयुक्त हुआ है।

संसद के लिये ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरह से कार्रवाई की जाए। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि कृषि सुधारों पर काम होना अभी शेष है और इसलिए बेहतर होगी, यदि प्रधानमंत्री संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से एक दिन पूर्व रविवार को एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाकर सर्वानुमति प्राप्त कर लें।

गुरुवार की मीटिंग में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला और राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू द्वारा शनिवार को बुलाई गई सर्वदलीय मीटिंग्स में अपनाई जाने वाली रणनीति को अंतिम रुप दिया जाएगा।

कश्मीर में बुधवार को मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गये

- **मारे गये आतंकियों में टी. आर.एफ. का एक कमाण्डर भी शामिल है।**

श्रीनगर, 24 नवंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में बुधवार को सुरक्षा बलों के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये।

मारे गये आतंकियों में टी.आर.एफ. का एक कमाण्डर भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि रामबाग इलाके में आज शाम एक संक्षिप्त मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये। पुलिस के एक ट्वीट में कहा, पुलिस ने श्रीनगर में तीन आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गये आतंकवादियों की पहचान और वे किस संगठन से ताल्लुक रखते थे, इसका पता लगाया जा रहा है।

रायबरेली से कांग्रेस विधायक अदिति सिंह भाजपा में शामिल

अदिति सिंह पहले गांधी परिवार के काफी करीब मानी जातीं थीं, वे दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह की बेटी हैं

- **अदिति सिंह के भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस के गढ़ रायबरेली में सेंध लग सकती है, जहां अभी तक भाजपा नहीं घुस पाई थी।**

लखनऊ, 24 नवम्बर। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की बागी विधायक अदिति सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया है। अदिति सिंह रायबरेली से विधायक हैं, और पहले गांधी परिवार के काफी करीब मानी जातीं थीं।

अदिति सिंह पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ी थीं, और जीत हासिल करके पहली बार विधानसभा पहुंचीं थीं। सिंह पांच बार विधायक रहे दिवंगत कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह की बेटी हैं। इनके भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस के उस गढ़ में सेंध लग सकती है, जहां अभी तक भाजपा नहीं घुस पाई थी।

अदिति सिंह भले ही 2017 में कांग्रेस विधायक के रूप में विधानसभा पहुंचीं थीं। लेकिन कई मौकों पर वो अपनी ही पार्टी की जमकर आलोचना करती दिखीं थीं। कई बार उन्हें भाजपा और योगी सरकार की तारीफ और समर्थन करते हुए देखा जा चुका है। इसके साथ ही अदिति एक से अधिक मौकों पर यूपी विधानसभा में भाजपा के पक्ष में मतदान भी कर चुकी हैं।

कोरोना के समय लॉकडाउन में जब कांग्रेस ने प्रवासी मजदूरों के लिए 1000 बसों की व्यवस्था करने की बात कही थी और बसें यूपी बॉर्डर पर पहुंच गई थी, तब अदिति सिंह ने इसकी तीखी आलोचना की थी।

इसके बाद ही अदिति सिंह को कांग्रेस ने पार्टी की महिला विंग से निलंबित कर दिया था। हालांकि अभी तक वो पार्टी में बनीं हुईं थीं, लेकिन पार्टी ने एक तरह से उनसे किनारा ही कर रखा था।

अदिति सिंह से अनुप्रिया पटेल तक, यूपी में पिता की राजनीतिक विरासत आगे बढ़ा रहीं ये 6 नेता पिछले साल जुलाई में, यूपी विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने अदिति सिंह को अयोग्य घोषित करने की कांग्रेस पार्टी की मांग को खारिज कर दिया था।

रायबरेली के विधायक द्वारा महात्मा गांधी के 150वें जन्मदिन के अवसर पर यूपी सरकार द्वारा आयोजित एक विशेष विधानसभा सत्र में भाग लेने के बाद इन्हें अयोग्य घोषित करने के लिए कांग्रेस की ओर से एक पत्र अध्यक्ष को लिखा गया था। इस सत्र का कांग्रेस ने विरोध किया था।

पूरे देश में तृणमूल कांग्रेस का प्रसार करेंगी ममता बनर्जी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि किसी भी राजनीतिक दल की तरह देश के हर राज्य में हमारी पार्टी का विस्तार करने का हमें अधिकार है और कोई भी दल हमसे संपर्क करता है तो हम वहां जाने को तैयार हैं। ममता बनर्जी ने बुधवार को यहाँ संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि वह 30 नवम्बर को वह मुंबई में रहेंगी जहां उन्हें एक बिजनेस इवेंट में शामिल होना है। अपने मुंबई दौरे के दौरान वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार से भी मुलाकात करेंगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के उतरने से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी की इकाई वहाँ शुरू हो चुकी है। मैं भी चाहती हूँ बनारस में जाऊं और गंगा में दिया जलाऊँ और शिव मंदिर का दर्शन करूँ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव हमसे मदद चाहते हैं तो हम ज़रूर करेंगे। ममता बनर्जी से जब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बारे में पूछा गया तो वह बोलीं, मैंने किसी से मिलने के लिए समय नहीं मांगा था।

भारत में महिलाओं की प्रजनन क्षमता कम हुई

पांचवे राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार देश में राष्ट्रीय औसत के अनुसार पहले हर महिला औसतन 2.2 बच्चों को जन्म दे रही थी जो अब घटकर 2.0 हो गई है

- **चंडीगढ़ में महिला प्रजनन दर 1.4 और उत्तर प्रदेश में 2.4 है।**
- **मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखण्ड और उत्तर प्रदेश को छोड़कर सभी राज्यों में महिला प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत (2.0) से कम है।**

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। देश में गर्भनिरोधकों का प्रयोग बढ़ रहा है और महिला प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की जा रही है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-पंचम में यह दावा करते हुए कहा गया है कि देश में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) राष्ट्रीय स्तर पर प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या 2.2 से घटकर 2.0 हो गई है। सर्वेक्षण में शामिल सभी 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिला प्रजनन दर 1.4 से लेकर 2.4 दर्ज की गयी है। चंडीगढ़ में महिला प्रजनन दर 1.4 और उत्तर प्रदेश में 2.4 है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और उत्तर प्रदेश को छोड़कर सभी राज्यों में महिला प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से कम है।

सर्वेक्षण के अनुसार समग्र गर्भनिरोधक प्रयोग दर (सीपीआर) अखिल भारतीय स्तर पर 54 प्रतिशत से 67 प्रतिशत तक बढ़ गई है। लगभग सभी राज्यों और केंद्र प्रशासित प्रदेशों में गर्भ निरोधकों के आधुनिक तरीकों का उपयोग भी बढ़ा है।

नीति आयोग के सदस्य-स्वास्थ्य डॉ वी के पाल और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव राजेश भूषण ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-पंचम के दूसरे चरण के अंतर्गत जनसंख्या, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, पोषण और अन्य पर प्रमुख संकेतकों की 'फैक्टशीट' जारी की। इस सर्वेक्षण में 14 राज्यों अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल किये गये हैं। पहले चरण में शामिल 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में सर्वेक्षण के निष्कर्ष दिसंबर, 2020 में जारी किए गए थे।

कृषि कानून ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए साधन अधिक मायने रखते हैं। मित्रा एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और कृषि पर सरकार के अत्यधिक नियंत्रण का विरोध कर रहे हैं।

वे कहते हैं कि कृषि कानून सिर्फ इसलिए विफल नहीं हुए कि इनके उद्देश्यों को लेकर काफी वैचारिक ध्रुवीकरण था बल्कि ये इसलिए विफल हुए, क्योंकि जून 2020 में अध्यादेशों के जरिए नाटकीय साधन अपनाए गए और फिर सितम्बर 2020 में इन्हें संसद से पारित करवाया गया। मित्रा कहते हैं कि "कृषि सुधार" पहल की बानगी ये थी कि इसमें संसदीय प्रक्रिया की पूर्णतया उपेक्षा की गई और यह भी कि इसके प्रमुख हित धारकों से भी किसी अर्थपूर्ण संवाद या विचार-विमर्श से ठोस इंकार किया गया। मनमाने साधनों के कारण अन्ततः नीति ही धराशाई हो गई। वे कहते हैं कि सुधारों का दावा करते वक्त क्या यह अपनाए गए साधनों का गुणगान करने में हुई विफलता है और वहीं सुधारों के पूरे विचार को बदनाम कर रही है।

'एस.सी. एवं एस.टी. वालों के साथ आई.आई.टी. संस्थानों में भेदभाव?'

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि, एस.सी. व एस.टी. के छात्रों के दाखिले एवं शिक्षकों की भर्ती में आरक्षण नियमों की अनदेखी की जाती है

- **याचिकाकर्ता ने विभिन्न माध्यमों की खबरों का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि करीब 2400 विद्यार्थी जातीय आधार पर प्रताड़ित करने एवं अन्य अज्ञात कारणों से बिना डिग्री लिये आईआईटी छोड़कर भागने को मजबूर हुए हैं, जबकि 50 की मौत हुई है।**
- **संसद में 2018 पेश किये गये आंकड़ों का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि विभिन्न आईआईटी में 6043 संकाय सदस्य हैं, जिनमें मात्र 21 एसटी और 149 एससी से हैं।**

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने देशभर के सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में आरक्षण नियमों की कथित अनदेखी एवं विद्यार्थियों को प्रताड़ित करने के आरोपों पर केंद्र सरकार को बुधवार को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया।

न्यायमूर्ति एल. एन. राव, न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने एक रिट याचिका पर सुनवायी के बाद केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता डॉ. सच्चिदानंद पांडेय की सभी 23 आईआईटी में भर्ती एवं दाखिले में समुचित तरीके से आरक्षण की नीति लागू करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग पर केंद्र सरकार को अपना जवाब देने को कहा है।

वकील अश्वनी कुमार दुबे ने डॉ पांडेय की ओर से दायर याचिका में आरक्षण लागू करने में भेदभाव के अलावा प्रताड़ना और इसकी वजह से बड़ी संख्या में होनहार विद्यार्थियों के खुदकुशी करने जैसे कई गंभीर आरोप लगाये गये हैं। याचिकाकर्ता ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ी जातियों के संकाय सदस्यों की भर्ती और शोध विद्यार्थियों के दाखिले में कथित तौर पर कानून की अनदेखी तथा प्रताड़ना के आरोप लगाये गए हैं। याचिकाकर्ता ने विभिन्न माध्यमों की खबरों का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि करीब 2400 विद्यार्थी जातीय आधार पर प्रताड़ित करने एवं अन्य अज्ञात कारणों से बिना डिग्री लिये आईआईटी छोड़कर भागने को मजबूर हुए हैं, जबकि 50 की मौत हुई है। आश्चर्य यह कि इस मामले में देश के इन प्रतिष्ठित संस्थाओं की ओर से कभी भी वास्तविक कारण नहीं बताये गये। संसद में 2018 पेश किये गये आंकड़ों का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि में विभिन्न आईआईटी में 6043 संकाय सदस्य हैं, जिनमें मात्र 21 एसटी और 149 एससी से हैं।

याचिकाकर्ता ने संकाय सदस्यों के कामकाज के मूल्यांकन तथा तय मानकों के मुताबिक काम नहीं करने वालों को उनके पद से हटाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की एक कमेटी गठित करने का आदेश केंद्र को देने की मांग की गई है।

फिज़िकल सुनवाई के लिए 114 वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय में फिजिकल सुनवायी की व्यवस्था सप्ताह में पांच दिन (सोमवार से शुक्रवार तक) पुनः लागू करने की मांग करते हुए यहां के 114 वकीलों ने हस्तक्षेप याचिका दायर की है।

न्यायमूर्ति एल. एन. राव, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के सदस्य डी. के. ठाकुर एवं अन्य की याचिका पर शीघ्र सुनवायी की गुहार स्वीकार कर ली। शीर्ष अदालत में इस याचिका पर छह दिसंबर को सुनवायी होगी।

याचिकर्ताओं की ओर से 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' एस. सिंह ने आज पीठ के समक्ष 'विशेष उल्लेख' के तहत वर्चुअल सुनवायी के दौरान होने वाली परेशानियों एवं कानूनी पहलुओं का जिक्र करते हुए इस मामले में शीघ्र विचार करने का निवेदन किया।

वकीलों ने 'ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ जुरिस्ट एवं अन्य बनाम उत्तराखंड उच्च न्यायालय' मामले (रिट याचिक) में हस्तक्षेप याचिका दायर की है।

वकीलों का कहना है कि वर्चुअल सुनवायी के दौरान कई तरह की तकनीकी परेशानियों का सामना करने के साथ ही जूनियर वकीलों को नुकसान हो रहा है। इसके अलावा कई अन्य तर्क दिये गए हैं।

उन्होंने फिजिकल सुनवायी की मांग के समर्थन में सीपीसी-1908 की धारा 153बी और सीआरपीसी-1973 की धारा 327 का हवाला देते हुए आपराधिक एवं सिविल मामले की सुनवायी को आवश्यक बताया है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908